स्मार्ट इन्फॉर्मेशन

GOLD : 51694
SILVER : 61920
CRUD OIL : 9388

Download Our App "SIS CONNECT" For Daily Updates.

साप्ताहिक न्यूजलेटर

11/06/2022

यार्न के आयात का असर, स्थानीय बाजारों में कम हुए सूत के दाम !

गुजरात के कपड़ा उद्योग में लंबे समय बाद कपास और यार्न की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है इस गिरावट का मुख्य कारण मिल्स द्वारा मांग में लगातार कमी और दूसरे देशों से यार्न का आयात है। जानकारों का कहना है कि पहली बार भारत में सूती धागे का आयात किया गया है। इस आयात से स्थानीय बाजारों में धागे के दाम काफी कम हुए है।

उद्योग जगत में खलबली !

अहमदाबाद के पावरलूम डवलपमेंट एंड एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल के पूर्व अध्यक्ष भरज छाजेर ने कहा कि अब व्यापारी अधिक कीमतों पर सामान खरीदने से बच रहे है। यही वजह है कि मांग लगातार कमजोर होती जा रही है। इसके साथ ही इंडस्टी के कुछ बड़े खिलाड़ियों ने कॉटन यार्न के आयात के ऑडर दिए है। अनुमान है कि वियतनाम से जुलाई के दूसरे सप्ताह तक कॉटन यार्न के लगभग 1000 कंटेनर गुजरात आएंगे। इस खबर से पूरे कपड़ा उद्योग में खलबली मची हुई है। उन्होंने बताया कि 20 कॉम्ब ओपन एंड यार्न की कीमतमें 330 रूपए प्रति किलोग्राम से घटकर 275 रूपए प्रति किलोग्राम हो गई है।

नई क्रॉप आने पर ही मिलेगी राहत !

गुजरात स्पिनर एसोसिएशन के सौरीन पारिख ने कहा कि सूती धागों और कपास की मांग इन दिनों बहुत कमजोर है। यह सामान्य से लगभग 30 प्रतिशत कम है। पिछले कुछ दिनों में कपास से ज्यादा सूती धागे की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। अच्छी गुणवत्ता वाले कपास की कीमत 1.10 लाख रूपए से घटकर 1.02 लाख रूपए प्रति कैंडी हो गई है। वर्तमान परिदृश्य को देखकर तो यही लगता है कि अब सितंबर में कपास की नई फसल आने के बाद ही बाजार में कुछ राहत दिखाई देगी।

केवल 5 प्रतिशत बढ़ाई एमएसपी, जबकि बेतहाशा बढ़ रही मंहगाई

सौराष्ट्र किसानसंघ के लीडर दिलीप भाई साकिया से एसआईएस की विशेष बातचीत

एमएसपी सरकार हरसाल बढ़ाती है लेकिन किसानों को उतना फायदा नहीं हो पाता जितना होना चाहिए। इसकी वजह यह है कि जिस तेजी से मंहगाई बढ़ती है उस हिसाब से एमएसपी की दर नहीं बढ़ाईजाती। इस बार भी एमएसपी की दर केवल 5 प्रतिशत बढाई गई है जबकि महंगाई हर साल 10 से 20 प्रतिशत तक बढ़रही है। किसानों का लीडर होने के नाते मैं सरकार से यही अपील करता हूं कि एमएसपी कम से कम उतनी बढ़ाई जाए जितना कर्मचारियोंके लिए महंगाई भत्ता बढ़ाया जाता है। यह कहना है सौराष्ट्र किसान संघ के लीडर दिलीपभाई साकिया का। बतचीत के दौरानउन्होंने बताया कि पिछले साल मध्यम रेशा कॉटन के मिनिमम सपोर्ट प्राइज 5726 रूपए थी और लंबा रेशा कपास की एमएसपी 6025 रूपए थी। जो अब बढ़कर क्रमशः 6080 और 6380 रूपए हो गई है।

गुजरात में 25 प्रतिशत तक ज्यादा क्रॉप आने की उम्मीद

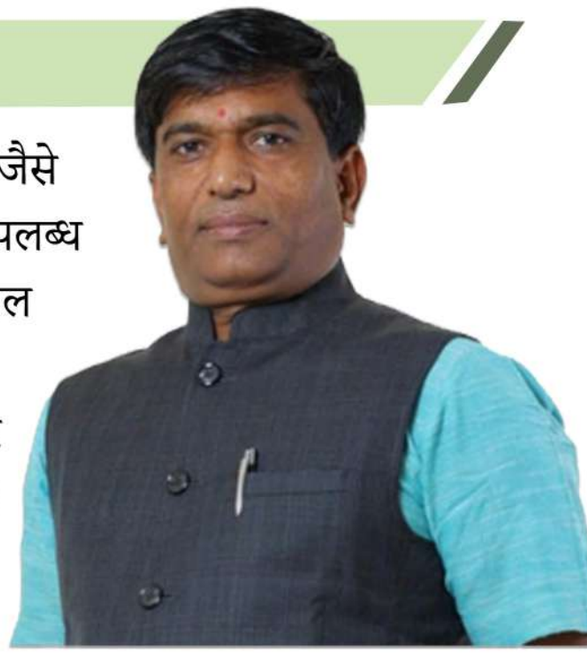

दिलीप भाई ने कहाकि सरकार यदि किसानों को जरूरी संसाधन जैसे पानी, बिजली, फसल के भाव औरपशु रक्षण उचित समय पर उपलब्ध करा दे तो किसानों की आधी परेशानियां खत्म हो जाएगी।इस साल गुजरात में लगभग 20 से 25 प्रतिशत तक ज्यादा कपास आने की उम्मीद है। देश में जिस तेजी से महंगाई खासकर डीजलऔर पेटोल की कीमतें बढ़ रही है, उसे ध्यान मेंरखते हुए हर साल कम से कम 10 प्रतिशत एमएसपीबढाई जानी चाहिए तभी किसान सर्वाइव कर पाएंगे।

जानिए टेक्सटाइल निवेशकों के लिए कैसा रहा यह सप्ताह

कंपनी	करंट प्राइस	हाई प्राइस	लोएस्ट प्राइस	हलचल
वर्धमान टेक्सटाइल लिमिटेड	270.65	269.25	294.1	-5.43
अरविद लिमिटेड	98.8	97.9	101.6	-1.69
वेलसपन इंडिया	75.5	68.1	77.2	4.14
नितिन स्पिनर्स	214.85	212.6	217.9	-10.44
रेमण्ड	969.5	965.5	1128	-11.06

6 जून से 11 जून के मध्य प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज की शेयर रिपोर्ट पर एक नजर

मिल्स में हो रहे कम प्रोडक्शन का असर टेक्सटाइल सेक्टर के शेयर्स पर भी पड़ा है। अधिकतर टेक्सटाइल कंपनीज के शेयर्स का मार्केट केप इस सप्ताह भी निगेटिव ही रहा है। अप्रैल और मई के बाद जून के पहले सप्ताह में भी शेयर मार्केट में उतार-चढ़ाव जारी रहा। आइए जानते है बीएससी के प्लेटफॉर्म पर कैसी रही प्रमुख टेक्सटाइल कंपनीज की इस सप्ताह की परफॉर्मेंस।